प्रेस विज्ञप्ति

बड़ी धूमधाम से मनाया गया ओआरसी का 15वाँ जन्मदिवस

आध्यात्मिकता जीवन में शिष्टता और संयम पैदा करती है- हरी भाई चौधरी

हम स्वयं को ठीक कर लें तो पूरा समाज स्वतः ही ठीक हो जाएगा- सैयद सिब्ते रज़ी

19 दिसम्बर गुरूग्राम

जीवन में श्रेष्ठ कार्य करने की प्रेरणा आध्यात्मिक सशक्तिकरण से ही प्राप्त होती है। आध्यात्मिकता हमें शिष्टता एवं संयम से जीना सिखाती है। **उक्त विचार भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यममंत्री हरी भाई चौधरी ने** ब्रह्माकुमारीज़ के ओम् शान्ति रिट्रीट सेन्टर में ओआरसी के 15 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में पवित्र मन खुशनुमा जीवन विषय पर बोलते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मैं ब्रह्माकुमारीज़ के सम्पर्क में पिछले 20 वर्षों से हूँ। मैंने यहाँ पर बहुत कुछ सीखा। मैं लोक सभा में विपक्ष की भूमिका में भी रहा हूँ, लेकिन मैंने अपनी बात बहुत ही शिष्टता के साथ रखी मैं कभी भी अपनी सीट से बाहर नहीं आया। उन्होंने कहा कि विपक्ष को विरोध करने का अधिकार है लेकिन विरोध शिष्टतापूर्ण एवं तर्क संगत होना चाहिए। वर्तमान समय संसद की जो स्थिति है उसे देखकर तो मुझे भी बड़ी शर्म महसूस होती है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जो भी कार्य कर रही है, उसका परिणाम आने में थोड़ा वक्त तो लगेगा।

कार्यक्रम में असम एवं झारखण्ड के पूर्व राज्यपाल माननीय सैयद सिब्ते रज़ी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर हम स्वयं को ठीक कर लें तो पूरा समाज स्वत: ही ठीक हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार आज हम जिस्म की बीमारी को पहचान कर ठीक करते हैं, वैसे ही रूह को भी समझने की जरूरत है। रूह को समझने के लिए हमें एकाग्रता एवं संयम की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जब हम स्वयं को जानते हैं तो हम केवल अपने को ही ठीक नहीं करते, बल्कि दूसरों के दु:ख-दर्द को भी समझते हैं। उन्होंने कहा कि हमें धर्म के आडंबरों से ऊपर उठकर आध्यात्मिकता को समझना होगा। परमात्म सत्ता से जुड़ना होगा। आज हम चाहे उसे अलग-अलग नामों से पुकारते हैं लेकिन वो सर्वोच्च सत्ता एक ही है। उन्होंने कहा कि हम जितने भी दिन इस कर्मक्षेत्र पर रहें, सिर्फ अच्छे कार्य ही करें क्योंकि यही हमारी असली पूँजी है जो हमारे साथ जाएगी। **दिल्ली सरकार के पूर्व सचिव राकेश मेहत्ता** ने कहा कि जबसे मैं ब्रह्माकुमारीज़ के सम्पर्क में आया तबसे मेरे जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन आया। राजयोग से मेरे अन्दर का गुस्सा समाप्त हो गया। **इस अवसर पर विशेष रूप से ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्य सचिव राजयोगी बृजमोहन जी** ने बताया कि आध्यात्मिकता ही सर्व समस्याओं का एक मात्र हल है। उन्होंने कहा कि आज मानव गलतफ़हमी में जी रहा है। अगर आज ही जीवन का अन्त हो जाता है तो कुछ भी साथ में नहीं जायेगा। इसलिए आवश्यकता है तो सिर्फ स्वयं को जानने की। **कार्यक्रम में अपने अध्यक्षीय संबोधन में राजयोगिनी दादी कमलमणि जी** ने सभी को कार्यक्रम के प्रति बधाईंया दी और कहा कि जीवन में होने वाली घटनाओं में विचलित होने के बजाए उन्हें साक्षीभाव में स्थित होकर देखने से हमारे अन्दर उनसे सामना करने की शक्ति आती है। कार्यक्रम के प्रति ओआरसी की निदेशिका आशा दीदी, शुक्ला दीदी एवं गीता दीदी ने भी अपनी शुभ कामनाएं व्यक्त की। सांस्कृतिक कार्यक्रम के द्वारा भी कलाकारों ने सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम में शान्ति की खोज पर आधारित नाटक की प्रस्तुति को सभी ने सराहा। गीत, नृत्य एवं कविताओं से भी दर्शकों का मनोरजंन किया गया। कार्यक्रम में ओआरसी के 15वें जन्म दिवस पर विशेष रूप से केक् भी काटा गया। दिल्ली करोल बाग सेवाकेन्द्र प्रभारी पुष्पा दीदी ने शब्दों के द्वारा सभी का धन्यवाद किया। कार्यकम में दिल्ली एवं एनसीआर से 3500 से भी अधिक लोगों ने शिरकत की।

कैप्शन:-1. पूर्व राज्यपाल सैयद सिब्ते रज़ी, असम एवं झारखण्ड

2. राज्यमंत्री भारत सरकार, हरी भाई चौधरी

3. राकेश मेहत्ता

4. दादी कमलमणि जी

5. बी॰ के॰ ब्रजमोहन जी

6. गीता दीदी

7. दीप प्रज्ज्वलित करते हुए दाईं ओर से राज दीदी, विजय दीदी, सपना बहन, सुन्दरी दीदी, आशा दीदी, राज्यपाल सैयद सिब्ते रज़ी, दादी कमलमणि, राज्यमंत्री हरी भाई चौधरी, बी॰ के॰ बृजमोहन जी, बी॰ के॰ सरला, पुष्पा दीदी, शुक्ला दीदी एवं अन्य

8. कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह